IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 3 December 2023

लैंगिक समानता का समाज पर प्रभाव

Impact of Gender Equality in Society

डॉ राधिका देवी
एसो. प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान
ए. के. पी. (पी. जी.) कॉलिज, खुर्जा, जिला. बुलन्दषहर (उ. प्र.)

किसी राष्ट्र एवं क्षेत्र का विकास उसकी उपलब्ध मानव शक्ति की कार्यक्षमता, सामर्थ्य गुणवत्ता व शिक्षा आदि बातों पर निर्भर करता हैं महिलाओं का राष्ट्रीय विकास की गतिविधियों में अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान हैं, परन्तु महिलाओं की भूमिका अभी तक परदे के पीछे छिपी रही हैं, इसलिए इसे समुचित रूप से मान्यता नहीं मिल पाई हैं, महिला सशक्तिकरण का मुद्दा न केवल भारत में अपितु विश्व के सभी देशों में चिन्तनीय मुद्दा है संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 8 मार्च, 1975 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुरूआत की गई थीं, इसके बाद संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अनेक विश्व महिला सम्मेलनों का सफलता–पूर्वक आयोजन किया गया है, महिला सशक्तिकरण की दिशा में वियना में मानवाधिकारों के विश्व सम्मेलन 1993 में महिला अधिकारों को मानवाधिकार के रूप में स्वीकृति मिली।

संदर्भ सूची :

1- प्रतियोगिता दर्पण – 2020 नवम्बर पृष्ठ 94–95.
2- प्रतियोगिता दर्पण – जून–2018 पृष्ठ 92.
3- प्रतियोगिता दर्पण – मार्च–2018 पृष्ठ 98.
4- प्रतियोगिता दर्पण – नवम्बर–2018 पृष्ठ 95–96.
5- प्रतियोगिता दर्पण – फरवरी–2019 पृष्ठ 60.
6- प्रतियोगिता दर्पण – सितम्बर–2021 पृष्ठ 73–74.
7- गरीबी उन्मूलन एवं महिला सशक्तिकरण – प्रेमनारायण शर्मा, बाजी विनायक।
8- महिला सशक्तिकरण एवं लिंगभेद– डॉ0 ऋचा राज सक्सेना।
9- महिला सशक्तिकरण एवं समग्र विकास– प्रेम नारायण शर्मा।
10- शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण–बी. विनायक, प्रेम नारायण शर्मा।
11- महिला साक्षरता एवं सशक्तिकरण–डॉ0 मंजु शुक्ला।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-14400M